16 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

NIXI की तीन नई पहलें (Three New Initiatives of NIXI)

- हाल ही में, **नेशनल इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ इंडिया (NIXI) के अध्यक्ष ने तीन नई पहलों की शुरुआत** की है– आई.पी. गुरु, NIXI एकेडमी, NIXI–आई.पी. इंडेक्स। इसके साथ ही, NIXI ने IPv6 (Internet Protocol version 6) को अपनाने तथा इसके संबंध में जागरूकता फैलाने की दिशा में सहयोगी भूमिका निभाने की घोषणा की है।
- IPv6 **विशेषज्ञ समूह (आई.पी. गुरु)–** यह उन सभी भारतीय इकाइयों की मदद करेगा जो IPv6 को अपनाने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं। इसके सहयोग से इकाइयाँ अंतिम उपभोक्ताओं को **IPv6 के संबंध में आवश्यक तकनीकी समर्थन** उपलब्ध कराएँगी। आई.पी. गुरु **टेलीकॉम विभाग तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय का संयुक्त उपक्रम** है। इसमें सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के सदस्य शामिल होंगे।
- **NIXI एकेडमी–** इसका निर्माण **तकनीकी/गैर-तकनीकी पृष्ठभूमि वाले लोगों को IPv6 जैसी तकनीकों में शिक्षित करने के लिये** किया गया है। ध्यातव्य है कि IPv6 जैसी तकनीकों की शिक्षा शिक्षण संस्थानों में नहीं दी जाती है। इसके माध्यम से इंटरनेट समुदाय विभिन्न तकनीकी मॉड्यूल्स को सीख सकेगा।
- **NIXI-आई.पी. इंडेक्स–** इसका विकास NIXI द्वारा इंटरनेट समुदाय के लिये किया गया है। यह **भारत एवं विश्व में IPv6 को अपनाने की दर को दिखाएगा**। यह पोर्टल विभिन्न संगठनों को IPv6 को अपनाने के लिये प्रेरित करेगा।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

17 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

विश्व जनसंख्या की स्थिति रिपोर्ट
(State of World Population Report)

- संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (UNFPA) ने 'विश्व जनसंख्या की स्थिति रिपोर्ट, 2021' जारी की है। इसका **शीर्षक है- मेरा शरीर मेरा अपना है** (My Body is My Own)।
- ऐसा पहली बार हुआ है, जब **संयुक्त राष्ट्र की किसी रिपोर्ट में 'शारीरिक स्वायत्तता' (Bodily Autonomy) पर ध्यान केंद्रित** किया गया है। रिपोर्ट में शारीरिक स्वायत्तता को महिलाओं द्वारा **बिना डर एवं हिंसा अथवा किसी अन्य के हस्तक्षेप के बगैर अपने शरीर से संबंधित विकल्पों के चयन की शक्ति के रूप में परिभाषित** किया गया है।
- इस रिपोर्ट के अनुसार, **57 विकासशील देशों की लगभग 50 प्रतिशत महिलाओं को अपने शरीर के संबंध में निर्णय लेने का अधिकार नहीं** है। इन निर्णयों में यौन संबंध बनाने या न बनाने तथा गर्भ निरोधक का इस्तेमाल करने या न करने संबंधी निर्णय शामिल हैं।
- **कोविड-19 के कारण विश्व भर में महिलाओं के शारीरिक स्वायत्तता संबंधी मौलिक अधिकार की व्यापक उपेक्षा** हुई है। वस्तुतः इस रिपोर्ट के माध्यम से महिलाओं द्वारा अपने शरीर के संबंध में निर्णय लेने की क्षमता को मापा गया है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

19 APRIL
2021

PT CARD

राष्ट्रीय जलवायु सुभेद्यता आकलन
(National Climate Vulnerability Assessment)

- हाल ही में, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) ने राष्ट्रीय जलवायु सुभेद्यता आकलन रिपोर्ट जारी की है। इसके अनुसार, **बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश, मिज़ोरम इत्यादि जलवायु परिवर्तन की दृष्टि से अत्यधिक संवेदनशील राज्य** हैं।

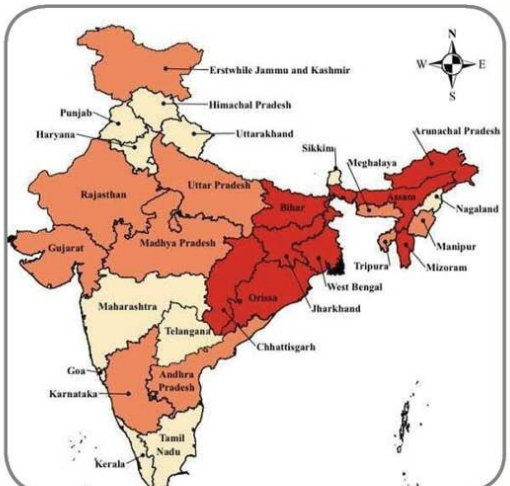

- इस रिपोर्ट का शीर्षक है– **'एक सामान्य फ्रेमवर्क का प्रयोग करके भारत में अनुकूलन नियोजन (Adaptation Planning) हेतु जलवायु सुभेद्यता आकलन'**।
- इस रिपोर्ट के माध्यम से देश में जलवायु परिवर्तन की दृष्टि से सुभेद्य समुदायों के लिये **बेहतर जलवायु परिवर्तन अनुकूलन परियोजनाओं का विकास** किया जा सकता है।
- रिपोर्ट के मुताबिक, **जलवायु परिवर्तन की दृष्टि सुभेद्य राज्य अधिकांशतः देश के पूर्वी भाग में** हैं। इन राज्यों के लिये प्राथमिकता आधारित अनुकूलन उपायों को अपनाने की आवश्यकता है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

20 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

हिमनदों की उपग्रह आधारित निगरानी
(Satellite-based monitoring of Himalayan Glaciers)

- भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के सहयोग से आई.आई.टी. कानपुर के वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में इस बात का पता लगाया है कि हिमालयी हिमनदों के जलग्रहण की **उपग्रह-आधारित निगरानी से बाढ़ के खतरे से न सिर्फ बचा जा सकता है, बल्कि इसके लिये पूर्व-चेतावनी प्रणाली भी विकसित** की जा सकती है।
- **हिमालय, जिसे पृथ्वी का तीसरा ध्रुव** कहा जाता है, यह **ध्रुवीय क्षेत्रों से इतर पृथ्वी पर सर्वाधिक हिम उपस्थिति वाला क्षेत्र** है। जलवायु परिवर्तन के कारण हिमनदों के पिघलने की दर में तेज़ी से वृद्धि हुई है, इसके चलते हिमालय क्षेत्र में नई झीलें बन रही हैं और पहले से विद्यमान झीलों का आकार बढ़ रहा है।
- जटिल भौतिक परिदृश्य तथा मोबाइल नेटवर्क की समुचित अनुपस्थिति के चलते हिमालय क्षेत्र में बाढ़ के संबंध में पूर्व-चेतावनी प्रणाली का विकास लगभग असंभव कार्य है। अतः उपग्रह-आधारित निगरानी से भविष्य में बाढ़ संबंधी आपदाओं से होने वाली क्षति से बचा जा सकता है।
- अध्ययन दल ने सुझाव दिया है कि हिमालय क्षेत्र में हिमनदीय प्रस्फुटन जैसी घटनाओं के प्रतिकूल प्रभावों को न्यूनतम करने के लिये क्षेत्र में **उपग्रह-आधारित निगरानी स्टेशन्स के नेटवर्क** को विकसित करना होगा।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

21 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (Startup India Seed Fund Scheme)

- स्टार्टअप क्षेत्र में तीव्र संवृद्धि एवं विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 'स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम' (SISFS) की शुरुआत की है। इस **योजना की कार्यावधि 4 चार वर्ष निर्धारित** की गई है।
- इसका उद्देश्य एक ऐसी अवसंरचना का विकास करना है, जो विभिन्न स्टार्टअप्स को **संकल्पना के साक्ष्य, प्रोटोटाइप विकास, उत्पाद परीक्षण, बाज़ार प्रवेश तथा वाणिज्यीकरण के स्तर पर वित्तीय सहयोग** प्रदान कर सके।
- इसके अंतर्गत देश भर से पात्र स्टार्टअप्स को योग्य इनक्यूबेटर्स के माध्यम से सीड फंडिंग के लिये 4 वर्षों की अवधि में 945 करोड़ रुपए प्रदान किये जाएँगे। वस्तुतः **इस योजना के अंतर्गत 300 इनक्यूबेटर्स के माध्यम से लगभग 3,600 स्टार्टअप्स की मदद** की जा सकेगी।
- यह योजना विशेष रूप से देश के **टियर 2 और टियर 3 श्रेणी के शहरों में मज़बूत स्टार्टअप परिवेश के निर्माण में महती भूमिका** निभाएगी, जहाँ संचालित स्टार्टअप आवश्यक वित्तीय सहयोग से प्रायः वंचित रहते हैं।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

22 APRIL
2021

PT CARD

संस्कृति IAS

विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2021
(World Press Freedom Index 2021)

- फ्राँस के **'रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' (RSF) नामक एन.जी.ओ.** ने वर्ष 2021 के लिये विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक जारी किया है। इस सूचकांक को **विश्व के 180 देशों में पत्रकारिता के लिये विद्यमान दशाओं के आधार पर तैयार** किया गया है।

- सूचकांक में **पत्रकारिता को दुष्प्रचार के विरुद्ध प्रमुख हथियार** माना गया है। इसके अनुसार, 180 देशों में से **73 फीसदी देश पत्रकारिता के लिये 'बहुत बुरे' (Very bad), 'बुरे' (Bad) अथवा 'संदिग्ध' (Problematic) परिवेश वाले देश** हैं; इन तीनों श्रेणियों के देशों को विश्व प्रेस स्वतंत्रता मानचित्र में क्रमशः काले, लाल अथवा नारंगी (Orange) रंग से दर्शाया गया है।
- इस वर्ष सूचकांक में प्रेस स्वतंत्रता के लिये सर्वाधिक अनुकूल परिवेश के लिये स्कैंडनेवियाई देशों- **नॉर्वे, फिनलैंड तथा स्वीडन को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त** हुआ है। उल्लेखनीय है कि चीन को 177वाँ स्थान प्राप्त हुआ है।
- सूचकांक में **भारत को 142वाँ स्थान प्राप्त** हुआ है। आर.एस.एफ. के अनुसार, यहाँ पत्रकारों के विरुद्ध पुलिस हिंसा, राजनीतिक कार्यकर्ताओं द्वारा हमले तथा अन्य तरह की प्रतिहिंसा के चलते **प्रेस स्वतंत्रता के लिये भारत विश्व में सर्वाधिक खतरनाक देश** है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

23 APRIL
2021

PT CARD

संस्कृति IAS

वर्ल्ड अर्थ डे 2021 (World Earth Day 2021)

- **प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को विश्व भर में 'अर्थ डे' मनाया जाता** है। वर्ष 2021 के लिये अर्थ डे का थीम है- रेस्टोर अवर अर्थ (Restore Our Earth)। इस वर्ष इसके वार्षिक आयोजन की 51वीं वर्षगाँठ है।

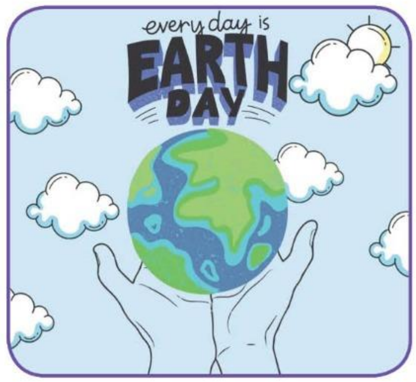

- पहली बार वर्ष 1970 में अर्थ डे मनाया गया था। **वर्ष 2009 में संयुक्त राष्ट्र ने 22 अप्रैल को 'अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी माता दिवस' (International Mother Earth Day) के रूप में नामित** किया था।
- यह दिवस **विश्व भर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्थन को दर्शाता** है। वर्ष 2016 में अर्थ डे के अवसर पर ही अमेरिका, यू.के., चीन तथा 120 अन्य देशों ने पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर किये थे।
- संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी माता दिवस हमें यह याद दिलाने के लिये मनाया जाता है कि पृथ्वी और इसका पारितंत्र हमें न सिर्फ जीवन, बल्कि आजीविका प्रदान करते हैं।

संस्कृति IAS

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

24 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

अफ्रीकी स्वाइन फीवर (African Swine Fever)

- पूर्वोत्तर भारत में **मिज़ोरम के चार ज़िलों में अफ्रीकी स्वाइन फीवर (ASF) के व्यापक प्रकोप** को देखते हुए इन्हें इस बीमारी का अधिकेंद्र (Epicentre) घोषित कर दिया गया है। वस्तुत: ए.एस.एफ. के चलते एक महीने के अंदर इस क्षेत्र में 1,119 सुअरों की मौत हो चुकी है।
- अफ्रीकी स्वाइन फीवर **एक संक्रामक एवं अत्यधिक घातक पशु रोग** है। यह घरेलू एवं जंगली सूअरों को संक्रमित करता है। **इसके संक्रमण से सूअर एक तीव रक्तस्रावी ज़्वर (Haemorrhagic Fever) के शिकार** हो जाते हैं। पहली बार इसे 1920 के दशक में अफ्रीका में देखा गया था, इसीलिये इसे 'अफ्रीकी स्वाइन फीवर' कहते हैं।
- ध्यातव्य है कि **ए.एस.एफ. का खतरा इंसानों को नहीं होता क्योंकि इसका संक्रमण सिर्फ पशुओं में होता है।** इस रोग में मृत्यु दर सौ फीसदी है क्योंकि इसका कोई उपचार नहीं है। अत: इसके संक्रमण को फैलने से रोकने का एकमात्र उपाय पशुओं को मारना है।
- **पूर्वोत्तर भारत में अफ्रीकी स्वाइन फीवर का पहला मामला वर्ष 2020 के मध्य में अरुणाचल प्रदेश में** देखा गया। विगत वर्ष इसकी वजह से अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 17,000 से अधिक सूअरों की मौत हो गई थी।
- संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) के अनुसार, अफ्रीकी स्वाइन फीवर **वैश्विक खाद्य सुरक्षा एवं घरेलू आय के लिये बड़ा संकट उत्पन्न** कर सकता है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

26 APRIL
2 0 2 1

PT CARD

संस्कृति IAS

तरल ऑक्सीजन (Liquid Oxygen)

- 'तरल ऑक्सीजन' **वायु से शुद्ध ऑक्सीजन को अलग करके बनाई जाती है,** जो आणविक ऑक्सीजन का तरल रूप है। इसके लिये वायु को तेज़ी से ठंडा करते है, जिससे वह सर्वप्रथम जीनॉन फिर क्रिप्टॉन एवं ऑक्सीजन लिक्विड (तरल) में परिवर्तित हो जाती है। **वायु से गैसों को पृथक करने की इस तकनीक को 'क्रायोजेनिक टेक्निक फॉर सेपरेशन ऑफ एयर' कहते हैं।**
- ऑक्सीजन को लिक्विड में बदलने के लिये इसे −183 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान पर ठंडा करना पड़ता है। यह संपूर्ण प्रक्रिया अत्यधिक दाब में पूरी की जाती है ताकि गैसों का क्वथनांक (Boiling Point) बढ़ जाए। **इस प्रक्रिया से तैयार लिक्विड ऑक्सीजन 99.5% तक शुद्ध होती है और इसमें नमी, धूल या अन्य गैसों जैसी अशुद्धि नहीं होती है।**
- लिक्विड फॉर्म में बदलने के बाद इसकी आपूर्ति क्रायोजेनिक टैंकरों से की जाती है, जो अत्यधिक ठंडे होते हैं, इनमें लिक्विड ऑक्सीजन गैस में नहीं बदल पाती है। इससे कम स्थान में अत्यधिक ऑक्सीजन का परिवहन किया जा सकता है।
- इस शुद्ध ऑक्सीजन का प्रयोग मेडिकल ऑक्सीजन (गैस के रूप में) और उद्योगों (मुख्यतः इस्पात व पेट्रोलियम) में किया जाता है। **मेडिकल ऑक्सीजन कानूनी रूप से एक आवश्यक दवा है जो देश की अति आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल है।** इसे स्वास्थ्य देखभाल के तीन स्तरों- प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक के लिये आवश्यक माना गया है। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन की आवश्यक दवाओं की सूची में भी शामिल है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757 / 58

27 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

यूनिकॉर्न (Unicorn)

- हाल ही में, वैज्ञानिकों ने हमारी आकाशगंगा **मिल्की-वे में अवस्थित संभवतः अब तक के ज्ञात सबसे छोटे ब्लैक होल की खोज** की है। वैज्ञानिकों ने इसे 'यूनिकॉर्न' नाम दिया है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार **यूनिकॉर्न का द्रव्यमान सूर्य से तीन गुना** है। लाल दैत्य (Red giant) नामक एक चमकता हुआ तारा, बाइनरी स्टार सिस्टम (V723 Mon) में इस ब्लैक होल की परिक्रमा करता है। **ब्लैक होल का गुरुत्वाकर्षण बल इतना सशक्त होता है कि प्रकाश भी इनसे होकर नहीं गुज़र** सकता है।

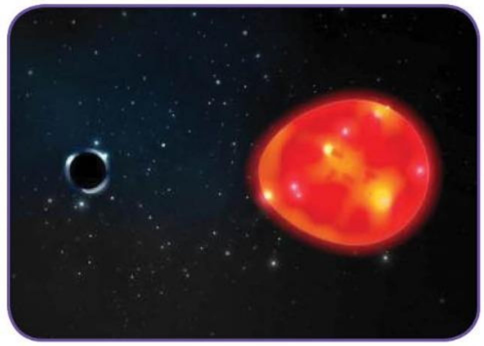

- यह ब्लैक होल पृथ्वी से लगभग 1,500 प्रकाशवर्ष की दूरी पर अवस्थित है। यह पृथ्वी के सर्वाधिक नज़दीक अवस्थित ब्लैक होल है। वस्तुतः **जब बड़े-बड़े तारे मृत हो जाते हैं और उनका क्रोड विनष्ट हो जाता है, तब इस तरह के ब्लैक होल बनते** हैं।
- ब्लैक होल तीन प्रकार के होते हैं। इनमें **सबसे छोटे यूनिकॉर्न जैसे होते हैं, इन्हें तारकीय द्रव्यमान वाले ब्लैक होल कहा जाता है** क्योंकि इनका निर्माण किसी एक तारे के गुरुत्वाकर्षण का पतन (Garvitational collapse) होने से होता है। इसके अलावा, कुछ विशालकाय और मध्यम आकार वाले ब्लैक होल भी होते हैं।

संस्कृति IAS

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

28 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

सप्लाई चैन रिज़ेलिएन्स इनीशिएटिव
(Supply Chain Resilience Initiative)

- **हिंद-प्रशांत क्षेत्र की आपूर्ति शृंखला में चीनी प्रभुत्व को प्रति-संतुलित करने** तथा क्षेत्र में सुदृढ़, धारणीय, संतुलित एवं समावेशी संवृद्धि सुनिश्चित करने के लिये भारत, जापान तथा ऑस्ट्रेलिया के व्यापार मंत्रियों ने मिलकर 'सप्लाई चैन रिज़ेलिएन्स इनीशिएटिव' (SCRI) की शुरुआत की है।

- तीनों सदस्यों ने इस बात पर भी सहमति व्यक्त की है कि यदि आवश्यक हुआ तो सर्वसम्मति से एस.सी.आर.आई. का विस्तार भी किया जाएगा। ध्यातव्य है कि **वर्ष 2019 में भारत, जापान एवं ऑस्ट्रेलिया का संचयी जी.डी.पी. 3.9 ट्रिलियन डॉलर** था, जबकि वस्तुओं एवं सेवाओं का व्यापार क्रमशः 2.7 ट्रिलियन डॉलर तथा 900 बिलियन डॉलर था।
- इस पहल के अंतर्गत शामिल संभावित नीतिगत मापदंड इस प्रकार हैं-
  - ➤ डिजिटल प्रौद्योगिकी के बढ़ते उपयोग में आपसी सहयोग
  - ➤ व्यापार एवं निवेश के विविधीकरण में परस्पर सहयोग
- एस.सी.आर.आई. संबंधी मापदंडों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा इसके विकास में भावी पहलुओं को शामिल करने के लिये **तीनों सदस्य कम-से-कम वर्ष में एक बार बैठक का आयोजन** भी करेंगे।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

30 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

भारत में जनजातीय परिवारों के लिये स्थायी आजीविका
(Sustainable Livelihood For Tribal Households in India)

- **जनजातीय लोगों के जीवन एवं आजीविका को बेहतर बनाने के लिये 'ट्राइफेड' ने 'लिंक फंड' के साथ मिलकर** एक सहयोगी परियोजना 'भारत में जनजातीय परिवारों के लिये स्थायी आजीविका' शुरू की है।
- **स्थायी आजीविका तथा आय में वृद्धि के लिये जनजातीय लोगों के उत्पादों का मूल्यवर्द्धन, तकनीकी समर्थन** द्वारा रोज़गार सृजन, उनके उत्पादों एवं हस्तकला का विविधीकरण और कौशल विकास में सहयोग देकर जनजातीय विकास एवं रोज़गार सृजन की दिशा में मिलकर कार्य करने के लिये ट्राइफेड एवं 'लिंक फंड' ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं।
- इस सहयोगी पहल के तहत **दोनों संगठन महिला-केंद्रित अवसंरचना, नवाचार तथा उद्यमशीलता के लिये मिलकर कार्य** करेंगे।
- ट्राइफेड भारत में जनजातीय सशक्तीकरण के लिये कार्य करने वाली एक नोडल एजेंसी है। **लिंक फंड (LINK Fund) विश्व में निर्धनता की चरम स्थिति को समाप्त करने तथा जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को न्यून करने की दिशा में कार्य करने वाला फंड** है। इसका मुख्यालय जेनेवा, स्विट्ज़रलैंड में है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58